This question paper contains 2 printed pages] 3/12/19 M

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **2982**

Unique Paper Code : **12057504**

Name of the Paper : **भारतीय एवं पाश्चात्य रंगमंच सिद्धांत**

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Hindi-CBCS : DSE-I**

Semester : **V**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. 'नाटक रंगमंच के लिए लिखा जाता है।' इस कथन पर विचार प्रकट कीजिए। 15

अथवा

नाटक के प्रमुख तत्त्वों पर उदाहरण सहित प्रकाश डालिए।

2. रंगकर्म में पार्श्व-कर्म की महत्ता स्पष्ट करते हुए इसके प्रमुख तत्वों का विवेचन कीजिए। 15

अथवा

नाटक के सन्दर्भ में भरत मुनि के रस सिद्धांत का विश्लेषण कीजिए।

P.T.O.

munotes.in

3. कामदी से आप क्या समझते हैं ? त्रासदी से इसकी भिन्नता को स्पष्ट कीजिए। 15

अथवा

नाटक के सन्दर्भ में अरस्तू के विरेचन सिद्धांत का विश्लेषण कीजिए।

4. उपरूपक की परिभाषा देते हुए इसके प्रमुख भेदों का संक्षिप्त परिचय दीजिए। 15

अथवा

टेलीफिल्म से आप क्या समझते हैं ? इसकी विधागत विशिष्टता के विषय में विस्तार से लिखिए।

5. किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए : 7.5+7.5=15

(क) रेडियो नाटक

(ख) नाटक में श्रव्य तत्त्व

(ग) नुक्कड़ नाटक

(घ) धारावाहिक

(ङ) मेलोड्रामा।